Edu Junior

Where Passion Meets Educations

LEARN KWNIY

Where passion meets with educations

हिंदी व्याकरण

अध्याय

क्रिया

learnkwniy

क्रिया की परिभाषा

जिस शब्द के द्वारा किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है उसे क्रिया कहते है।

दूसरे शब्दों में कहे तो

जिन शब्दों से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उन्हें क्रिया कहते हैं।

उदहारण

लड़कियाँ गेंद खेल रही है।

अध्यापिका पढ़ा रही है।

बच्चे हँस रहे हैं।

अली पुस्तक पढ़ रहा है।

बाहर बारिश हो रही है।

बाजार में बम फटा।

बच्चा पलंग से गिर गया।

गुड़िया नाच रही है।

राम दूध पी रहा है।

विक्रम कॉलेज जा रहा है।

मेरे लिए दूध लाओ

learnkwniy

ऊपर के वाक्यों में 'लिख रही हैं', 'खेल रहा है', 'पढ़ा रही हैं' और 'हँस रहे हैं , नाच रही है, पी रहा है, जा रहा है, लाओ, शब्द किसी काम के करने या होने का बोध हो रहा हैं। ये सभी शब्द क्रियाएँ हैं।

धातु

क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं।

मूल धातु में 'ना' प्रत्यय लगाने से क्रिया का सामान्य रूप बनता है।

जैसे:

पढ़ + ना = पढ़ना

लिख + ना = लिखना

हँस + ना = हँसना

learnkwniy

क्रिया के भेद

रचना की दृष्टि से क्रिया के सामान्यतः दो भेद है।

(i) सकर्मक क्रिया

(ii) अकर्मक क्रिया

दूसरे शब्दों में कहे तो

कर्म के आधार पर क्रिया के भेद

कर्म की दृष्टि से क्रिया के निम्नलिखित दो भेद होते हैं :

(1)सकर्मक क्रिया (2)अकर्मक क्रिया

सकर्मक क्रिया

'सकर्मक क्रिया' उसे कहते हैं, जिसका कर्म हो या जिसके साथ कर्म की संभावना हो, अर्थात जिस क्रिया के व्यापार का संचालन तो कर्ता से हो, पर जिसका फल या प्रभाव किसी दूसरे व्यक्ति या वस्तु, अर्थात कर्म पर पड़े।

दूसरे शब्दों में कहे तो

वे क्रियाएँ, जिनका प्रभाव वाक्य में प्रयुक्त कर्त्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता है। अर्थात् वाक्य में क्रिया के साथ कर्म भी प्रयुक्त हो, उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं।

सरल शब्दों में- जिस क्रिया का फल कर्म पर पड़े उसे सकर्मक क्रिया कहते है।

learnkwniy

उदहारण

अध्यापिका पुस्तक पढ़ा रही हैं।

माली ने पानी से पौधों को सींचा ।

रमेश पुस्तक पढ़ता है।

मैं विद्यालय जाता हूँ।

पंकज पानी पीता है।

भूपेंद्र दूध पी रहा है।

नीतू खाना बना रही है।

गीता फूल तोड़ रही है ।

राजू कपड़े धो रहा है।

उपर्युक्त वाक्यों में पुस्तक, पानी और पौधे, पढ़ता है', 'जाता है', 'पीता है, शब्द कर्म हैं, क्योंकि कर्ता का सीधा फल इन्हीं पर पड़ रहा है।

सकर्मक क्रिया के दो उपभेद किए जाते हैं-

(i) एककर्मक क्रिया

(ii) द्विकर्मक क्रिया

एककर्मक क्रिया

जब वाक्य में क्रिया के साथ एक कर्म प्रयुक्त हो तो उसे एक कर्मक क्रिया कहते हैं।

दूसरे शब्दों में कहे तो

जिस सकर्मक क्रियाओं में केवल एक ही कर्म होता है, वे एककर्मक क्रिया कहलाती हैं।

उदहारण

दुष्यंत भोजन कर रहा है।

श्याम फ़िल्म देख रहा है।

नौकरानी झाड़ू लगा रही है।

द्विकर्मक क्रिया

learnkwniy

कभी-कभी सकर्मक क्रिया में दो कर्म होते हैं, ऐसी क्रियाओं को द्विकर्मक क्रिया कहा जाता है।

दूसरे शब्दों में कहे तो

जब वाक्य में क्रिया के साथ दो कर्म प्रयुक्त हो तो उसे द्विकर्मक क्रिया कहते हैं ।

उदहारण

मोहन ने सोहन को घड़ी दी।
मैं सचिन को पत्र लिखूगा।

अध्यापक जी छात्रों को भूगोल पढ़ा रहे हैं।

अकर्मक क्रिया

learnkwniy

जिस क्रिया में कर्ता के काम करने का फल कर्म पर न पड़कर कर्ता पर पड़े उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

दूसरे शब्दों में कहे तो

जिन क्रियाओं का व्यापार और फल कर्ता पर हो, वे 'अकर्मक क्रिया' कहलाती हैं। अकर्मक क्रियाओं का कर्म नहीं होता, क्रिया का व्यापार और फल दूसरे पर न पङकर कर्ता पर पङता है ।

उदहारण

योगेश हँसता है।

घोड़ा दौड़ता है।

सुप्रिया चलती है।

पक्षी उड़ रहे हैं।

बच्चा रो रहा है।

कुत्ता भोकता है।

कविता हँसती है ।

टीना सोती है ।

बच्चा रोता है ।

आदमी बैठा है।

गोरव रोता है।

साँप रेंगता है।

बिल्ली भागती है ।

लड़की सोती है।

हाथी बैठा है ।

सकर्मक और अकर्मक क्रियाओं की पहचान कैसे करें

सकर्मक और अकर्मक क्रियाओं की पहचान 'क्या', 'किसे' या 'किसको' आदि पश्न करने से होती है। यदि कुछ उत्तर मिले, तो समझना चाहिए कि क्रिया सकर्मक है और यदि न मिले तो अकर्मक होगी।

उदहारण

पश्न- किसे मारा ?

उत्तर- किशोर को मारा।

learnkwniy

प्रश्न- क्या खाया ?

उत्तर- खाना खाया।

इन सब उदाहरणों में क्रियाएँ सकर्मक है।

संयुक्त क्रिया

जो क्रिया दो या दो से अधिक धातुओं के मेल से बनती है, उसे संयुक्त क्रिया कहते हैं।

दूसरे शब्दों में कहे तो

दो या दो से अधिक क्रियाएँ मिलकर जब किसी एक पूर्ण क्रिया का बोध कराती हैं, तो उन्हें संयुक्त क्रिया कहते हैं।

उदहारण

घनश्याम रो चुका ।

किशोर रोने लगा ।

वह घर पहुँच गया।

रोहित खाता जा रहा है।

अजय गाता चला जा रहा है।

संयुक्त क्रिया के भेद

अर्थ के अनुसार संयुक्त क्रिया के 11 मुख्य भेद है-

आरम्भबोधक

समाप्तिबोधक

learnkwniy

अवकाशबोधक

अनुमतिबोधक

नित्यताबोधक

आवश्यकताबोधक

निश्चयबोधक

इच्छाबोधक

अभ्यासबोधक

शक्तिबोधक

पुनरुक्त संयुक्त क्रिया

learnkwniy

नामधातु क्रिया

वे क्रियापद, जो संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि से बनते हैं, उन्हें नामधातु क्रिया कहते हैं।

उदहारण

रंगना, लजाना, अपनाना, गरमाना, चमकाना, गुदगुदाना ।

प्रेरणार्थक क्रिया

जब कर्ता किसी कार्य को स्वयं न करके किसी दूसरे को कार्य करने की प्रेरणा दे तो उस क्रिया को प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं।

उदहारण

मालिक नौकर से कार साफ करवाता है।

अध्यापिका छात्र से पाठ पढ़वाती हैं।

पूर्वकालिक क्रिया-

जब किसी वाक्य में दो क्रियाएँ प्रयुक्त हुई हों तथा उनमें से एक क्रिया दूसरी क्रिया से पहले संपन्न हुई हो तो पहले संपन्न होने वाली क्रिया पूर्वकालिक क्रिया कहलाती है ।

उदहारण

पुजारी ने नहाकर पूजा की

राखी ने घर पहुँचकर फोन किया।

धर्मेंद्र पढ़कर सो गया ।

मूल क्रिया

जो क्रिया एक ही धातु से बनी हो, न तो किसी अन्य धातु से व्युत्पन्न हुई हो तथा न ही एकाधिक धातुओं के योग से बनी हो, उसे मूल क्रिया कहते हैं।

उदहारण

चलना, पढ़ना, लिखना, आना, बैठना, रोना आदि ऐसी ही क्रियाएँ हैं।

उसने पत्र लिखा।

रमेश आया।

learnkwniy

नामिक क्रिया

संज्ञा अथवा विशेषण के साथ क्रिया जोड्ने से जो संयुक्त क्रिया बनती है, उसे नामिक क्रिया कहते हैं।

उदहारण

दिखाई देना, दाखिल होना, सुनाई पड़ना

समस्त क्रिया

जो क्रिया दो धातुओं के योग से सम्पन्न हो तथा जिसमें दोनों धातुओं का अर्थ बना रहे, उसे समस्त क्रिया कहते हैं।

उदहारण

खेल-कूद, उठ-बैठ, चल-फिर, मार-पीट, कह-सुन

learnkwniy